काछोला सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी ने व्यवसायिक एवं रिक्त पड़े भूखण्डों के नियम विरुद्ध पट्टे जारी किये

काछोला में सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी ने बेशकीमती भूमि के भूखण्डों पर दो-दो सौ रुपए में पुश्तैनी पट्टे जारी कर सरकार को करोड़ों के राजस्व की चपत लगाई

- काछोला गांव के ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित कर मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल और विकास अधिकारी संगीता व्यास को अवगत कराया
- नियम विरुद्ध जारी किए गए पट्टों की जाँच और कार्रवाई के लिए ग्रामीणों ने एसीबी और जिला कलेक्टर से शिकायत की

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम पंचायत काछोला में व्यवसायिक एवं रिक्त पड़े भूखण्डों के नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने का मामला सामने आया है। सरपंच और वीडिओ ने अतिक्रमी भूखण्डधारियों से मिलीभगत कर प्रति पट्टा लाखों की राशि निजी तौर पर वसूली कर राजकोष को करोड़ों की चपत लगाई है। इस मामले को लेकर काछोला के ग्रामीणों ने एसीबी जयपुर और जिला कलेक्टर भीलवाड़ा को शिकायत की है और दोषियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई कर तथाकथित भूखण्डों के पट्टों को खारिज करने की मांग की है।

काछोला गांव के ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित कर मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल और विकास अधिकारी संगीता व्यास को उक्त मामले के बारे में अवगत कराया और वीडिओ ओम खण्डेलवाल को ग्राम पंचायत से हटाने की मांग की है। काछोला पंचायत के उप सरपंच देवीलाल माली, सामाजिक कार्यकर्ता ओमनाथ योगी, नंदलाल शर्मा, श्यामलाल आचार्य, दुर्गाशंकर आचार्य, बृजेंद्र सिंह सोलंकी, कैलाश गगरानी, राजेश लड्ढा द्वारा एसीबी को की गई शिकायत में आरोप लगाया कि सरपंच रामपाल मेघवंशी और ग्राम विकास अधिकारी ओम खण्डेलवाल ने अपने कार्यकाल में सैकड़ों पट्टे नियम विरुद्ध जारी किए हैं और पट्टाधारियों ने तहसील कार्यालय से पंजीयन भी करा लिया है। बताया जा रहा है कि जारी किए गए कई पट्टों में सरपंच की भी भागीदारी है। दूसरी ओर भूखण्डों के पट्टे बनने के बाद लाखों की राशि में विक्रय की सौदेबाजी भी की जा रही है।

काछोला ग्राम पंचायत द्वारा जारी किए गए ऐसे कई पट्टे हैं जिसमें आवासीय भूमि के पट्टों में आवेदक का नाम, पता विवरण पर्याप्त नहीं हैं, भूमि का आराजी नम्बर, भूमि पर निर्मित मकान का नक्शा, सार्वजनिक अनापत्ति पत्र सहित कई प्रकार की त्रुटियां सामने आई हैं। वहीं कई पट्टे बनने के बाद आवेदन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एक ही परिवार के नौ सदस्यों के नाम बेशकीमती भूमि में 200-200 राशि का शुल्क पंचायत कोष में जमा कर पुश्तैनी पट्टे जारी कर दिए गए। वहीं ग्राम विकास अधिकारी ने पुश्तैनी पट्टा स्थल का जायजा तक नहीं लिया गया है और पट्टे में आम रास्ता, सड़क की चौड़ाई भी नहीं दर्ज की गई है तथा 50 वर्षों से निवास करने का कोई भी प्रमाणिक दस्तावेज पत्रावली में शामिल नहीं किया गया।

एक ही परिवार को 9 पट्टे :- काछोला निवासी कैलाश पुत्र नारायण कुम्हार को पट्टा क्रमांक 38/ 34 गुणा 79 वर्ग फीट, कैलाश की पत्नी भूरी देवी को दो पट्टे क्रमश : पट्टा क्रमांक 103-110/34 गुणा 79 फीट, 43 गुणा 60 फीट, कैलाश के पुत्र मुकेश को दो पट्टे क्रमश: पट्टा क्रमांक 104-108/ 43 गुणा 60 23 गुणा 104 फीट, मुकेश की पत्नी पार्वती को पट्टा क्रमांक 107/ 23 गुणा 104 फीट, कैलाश कुम्हार के एक ओर पुत्र राकेश को 2 भूखण्ड क्रमश : पट्टा क्रमांक 109-105 / 23 गुणा 104, 43 गुणा 60 फीट, राकेश की पत्नी सीमा देवी को भूखण्ड पट्टा क्रमांक 41/ 43 गुणा 60 फीट पुश्तैनी पट्टे जारी किए गए। जिसमें कैलाश कुम्हार और इसकी पत्नी भूरी देवी और पुत्र मुकेश के 5 पट्टों में आराजी नम्बर 945 अंकित हैं। शेष 4 जनों के पट्टों में आराजी नम्बर अंकित तक नहीं किए गए हैं, ताकि भविष्य में बेशकीमती भूखण्ड पर काबिज हो सके। उक्त मामले के प्रमाणित दस्तावेज सामने आने के बाद पट्टाधारियों में खलबली मची हुई है।

सरपंच, सचिव के छोटे कार्यकाल में बड़ा कारनामा :- काछोला ग्राम पंचायत सरपंच रामपाल मेघवंशी 7 मई 2023 को निर्वाचित हुए थे और 19 माह के कार्यकाल के बाद दिसम्बर 2024 में एक नेता के करीबी ग्राम विकास अधिकारी ओम खण्डेलवाल को 6 माह पूर्व काछोला लगाया गया और दोनों ने मिलीभगत कर सैकड़ों पट्टे नियम विरुद्ध जारी किए हैं जिसमें प्रति पट्टा 3 से 5 लाख राशि तक वसूलने का आरोप शिकायतकर्ता ने लगाया है।

मुख्य सड़क पर बेशकीमती भूमि में बंदरबांट की आशंका :- सूत्रों के मुताबिक काछोला गांव से तहसील कार्यालय सड़क मार्ग से सटी सरकारी बेशकीमती भूमि के बड़े भूभाग को हथियाने का खेल खेला जा रहा है। वहीं 9 पट्टे हासिल करने वाले कैलाश कुम्हार ने विशाल भूखण्ड पर ईंट का स्टॉक लगाकर कब्जा कर रखा है, जहाँ ट्रयूबवेल खुदवाकर बिजली कनेक्शन भी ले रखा है, काछोला के तत्कालीन सरपंच कानसिंह ओस्तवाल ने कैलाश कुम्हार के उक्त अतिक्रमण को हटाया भी था, लेकिन फिर से कब्जा कर लिया।

तहसील कार्यालय की भूमिका संदिग्ध :- ग्राम पंचायत द्वारा बिना आराजी नम्बर से बनाए गए पट्टों का पंजीयन समानांतर गवाहों के आधार पर कर दिया गया, जिसमें स्टाम्प प्रलेखक और नायब तहसीलदार की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। तहसीलदार ने दस्तावेज और भूखण्डों और आवासों का भौतिक सत्यापन तक नहीं किया।

काछोला पंचायत पूर्व में भी सुर्खियों में रही :- काछोला ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच प्रहलाद नट ने वर्ष 2022 में कई फर्जी पट्टे जारी किए थे, जिसका मामला अभी भी न्यायालय में विचाराधीन हैं। मांडलगढ़ विधायक गोपाल खण्डेलवाल ने फर्जी पट्टे का मामला विधानसभा में भी उठाया था, उसके बाद कमेटी द्वारा की गई जांच में फर्जी पट्टे सामने आए थे।

काछोला सरपंच रामपाल ने बताया कि शिकायतकर्ताओं द्वारा मुझ पर लगाए गए आरोप निराधार हैं, जिनके नियम विरुद्ध पट्टे नहीं बनाए गए, वो ही लोग शिकायत कर रहे हैं। सभी पात्र लोगों के नियमानुसार पट्टे जारी किए गए हैं।

ग्राम विकास अधिकारी ओम खण्डेलवाल ने बताया कि मेरी वर्ष 2024 अक्टूबर में काछोला में पोस्टिंग हुई हैं, पुश्तैनी आवास के पट्टे बनाने की पत्रावलियां मिली। उसके आधार पर नियमानुसार पात्र लोगों को पट्टे जारी कर गए हैं। शिकायतकर्ताओं के आरोप निराधार हैं।

पैदल जा रहे दो जनों को बाइक ने टक्कर मारी, एक की मौत

- गंभीर घायल एक अन्य को भीलवाड़ा जिला अस्पताल रेफर किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के फूलिया कलां थाना क्षेत्र के मालीखेड़ा निवासी धन्ना गुर्जर अपने गांव से नवरात्रि मेले को लेकर धनोप माता जी के दर्शन करने जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार एक युवक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से फूलिया कलां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने धन्ना लाल पिता हजारी गुर्जर को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर घायल योगेंद्र रावणा राजपूत को भीलवाड़ा जिला अस्पताल रेफर किया।

हनुमान पिता घीसा गुर्जर निवासी माली खेड़ा धनोप ने फूलिया कला थाने रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि मेरा अंकल धन्नालाल पिता हजारी गुर्जर जो कि सुबह घर से धनोप माताजी पैदल दर्शन करने जा रहा था। बीच रास्ते में मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों व्यक्ति घायल हो गए। सूचना पर फूलिया कलां पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को 108 से फूलिया कलां हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां धन्ना लाल गुर्जर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घायल जोरापुरा (बनेड़ा) निवासी योगेंद्र रावणा राजपूत दुर्घटना में घायल हो गया, जिसे शाहपुरा रेफर किया गया। शाहपुरा से भीलवाड़ा रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द किया।

डेंडा गांव में दो मकानों में आग लगी, सामान जला

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के निकट रविवार दोपहर करीब तीन बजे डेंडा गांव में दो मकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। आग को देखते हुए लोगों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने को कोशिश की गई लेकिन आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पाली से दमकल की गाड़ी मौके पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

अग्निशमन के अधिकारी रामलाल गहलोत ने बताया कि दोपहर के समय सूचना मिली कि डेंडा गांव में दो मकान में आग लग गई। इसके बाद एक गाड़ी मौके पहुंची करीब दो घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि घर में रखे सूखे चारे और लड़कियों में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई, देखते ही देखते आग में विकराल रूप ले लिया। इसके बाद एक गाड़ी ने दो फेरे करते हुए आग पर काबू पाया। आग के चलते एक मोटरसाइकिल भी जल गई और मकानों में भी दरारें आ गई। फायरमैन पारस गहलोत, रेखा फायरमैन, सत्यनारायण पारिख ने आग पर काबू पाया।

शॉर्ट सर्किट से छप्परपोश मकान में आग लगी

आग में मवेशी, अनाज, घरेलू सामान, नगदी, जेवर, कपड़े, कूलर, पंखे और चारा जला

आग लगने से घर में रखा सामान जलकर राख हो गया।

- आग से पीड़ित परिवार को 5 से 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ

गंगापुर सिटी, (निसं)। ग्राम पंचायत महूकलां में ग्रामीण हंसराम माली के छप्परपोश मकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे में मवेशी, अनाज, घरेलू सामान, नगदी, जेवरात, बच्चों के कपडे, कूलर, पंखे और चारा जल गया। जिससे ग्रामीण हंसराम माली को लगभग 5 से 6 लाख रुपए का नुकसान हो गया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित हंसराम माली पुत्र रामजीलाल माली अपने परिवार के साथ तीन छप्परपोश मकानों में रह रहा था। शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। 108 पर कॉल कर दमकल को बुलाया गया।

दमकल की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सरपंच लखनलाल सैनी ने पीड़ित परिवार को 3100 रुपए की तत्काल सहायता राशि दी। पटवारी धर्म सिंह मीणा और गिरदावर को भी घटना की सूचना दी गई। सरपंच ने फर्द मौका रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। सरपंच ने बताया कि हंसराम माली अत्यंत गरीब हैं। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। प्रशासन से मुआवजे की मांग की गई है। मौके पर पृथ्वी माली, जितेन्द्र, पवन, रामजीलाल सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

घायल महिला शिक्षक की उपचार के दौरान मौत

- घायल महिला का एक महीने से इलाज चल रहा था
- स्कूल से लौटते समय बोलेरो ने मारी थी टक्कर

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 927 पर धरती माता स्कूल के सामने 4 मार्च को हुए हादसे में घायल महिला टीचर की एक महीने बाद इलाज के दौरान मौत हो गई है।

मालपुर निवासी मीनाक्षी कटारा (29) और मेघना स्कूल से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रही थी। इसी दौरान एक बिना नंबर की बोलेरो जीप ने उनकी स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों शिक्षिकाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल मेघना का इलाज स्थानीय अस्पताल में चला। मीनाक्षी की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पहले उदयपुर और फिर अहमदाबाद रेफर किया गया। एक महीने के इलाज के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने उन्हें घर ले जाने की सलाह दी। रविवार सुबह मीनाक्षी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

घास से भरे मिनी ट्रक में आग लगी, चालक झुलसा

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के आसपुर डूंगरपुर मुख्य मार्ग के सांसरिया घाटी में शनिवार देर शाम को घास से भरे मिनी ट्रक में आग लग गई। हादसे में ट्रक ड्राइवर झुलस गया। वहीं, घास व मिनी ट्रक जलकर खाक हो गया।

समोड़ा निवासी विनोद पुत्र चत्रा और ड्राइवर राजू पुत्र देवा बंजारा मिनी ट्रक में घास भरकर आसपुर से पुनाली की तरफ जा रहे थे। पूंजपुर के पास अचानक घास में आग लग गई, जिसे देखते ही लोगों ने ड्राइवर को जानकारी दी। ट्रक ड्राइवर राजू ने सूझबूझ दिखाते हुई ट्रक को आबादी क्षेत्र से बाहर सासरिया घाटी में वाहन रोककर आग बुझाने में जुट गया। आग बुझाने के दौरान ड्राइवर झुलस गया। हवा के चलने से आग ने गति पकड़ ली। बढ़ती आग को देखकर ग्रामीणों ने दमकल को सूचना दी। डूंगरपुर से आई दमकल से आग बुझाने का प्रयास किया। परन्तु तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हादसे में वाहन व घास जलकर खाक हो गई। सूचना पर बनकोड़ा चौकी से एएसआई डायालाल पाटीदार, विजयपाल भी मौके पर पहुंच ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

घर में बने पानी के टैंक से दो सांप, 50 अंडे निकाले

सांप की प्रजाति चेकर्ड कीलबैक थी जो अप्रैल महीने में अंडे देते हैं

ब्यावर, (निसं)। शहर के पुरानी ब्यावर रोड स्थित भोमियाजी के थान (मंदिर) के पास एक रहवासी मकान के अंदर बने पानी के होद में दो सांप तथा उसके 50 अंडे देखे गए। घर मालिक महेंद्र सिंह रावत के द्वारा ब्यावर के स्नेक कैचर सुरेंद्र सिंह को सूचित किया गया, जहां सुरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक सांप के अंडे और दोनों मादा सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

घर मालिक महेंद्र सिंह ने बताया है कि उनके मकान को किराए पर दे रखा था जहां पर किराएदार को ही सांप दिखाई दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि हमें एक ही सांप दिखाई दिया था। सुरेंद्र सिंह अंदर गए तब उन्होंने दो सांप होने की पुष्टि की और तीन सांप की कैंचली पानी के ऊपर तैर रही थी जिससे अंदाजा लगाया जा सकता था कि एक अन्य सांप था जो बाहर निकल गया और मादा सांप अपने अंडों की देखभाल के लिए पानी के टैंक के अंदर ही रही थी। अंडों की संख्या काफी ज्यादा थी तथा उन्हें सुरक्षित जगह तलाश करके पुन: जंगल में छोड़ना एक बड़ी समस्या थी। इसलिए उन्होंने नमी वाली जगह को चुना। उन्होंने नदी के किनारे झाड़ियों में 50 अंडे और दोनों मादा सांप को झाड़ियों में बने बिल के अंदर छोड़ दिया। स्नेक कैचर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सांप के अंडे 56 दिनों में पककर तैयार होंगे यानि जून माह के महीने में बच्चे निकलेंगे। उन्होंने बताया कि इस सांप की प्रजाति चेकर्ड कीलबैक थी जो अप्रैल महीने में अंडे देते हैं। दोनों मादा सांप की लम्बाई 3 फीट थी।

स्नेक कैचर सुरेंद्र सिंह ने अंडे और दोनों मादा सांप को रेस्क्यू किया।

मेहरानगढ़ के चामुंडा माता मंदिर में चैत्र नवरात्र हवन की पूर्णाहुति

जोधपुर, (का.सं.)। मेहरानगढ़ दुर्ग के चामुंडा माता मंदिर में चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन नवमी को प्रात: 11:15 बजे पूर्व महाराजा गज सिंह व पूर्व महारानी हेमलता राज्ये ने अष्टमी रात्रि को शुरू हुए हवन में पूर्णाहुति दी व मंदिर में मां चामुंडा के दर्शन व पूजा की एवं उसके बाद परिक्रमा की। मेहरानगढ़

- मेहरानगढ़ के चामुंडा माता मंदिर में नवरात्र के दौरान हजारों दर्शनार्थियों ने दर्शन किए

म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासक कर्नल अजय सिंह शेखावत ने बताया कि मेहरानगढ़ दुर्ग के चामुंडा माता मंदिर में अष्टमी की रात्रि को हवन प्रारंभ हुआ, इस हवन की पूर्णाहुति रविवार को प्रात: हुई। हवन में पूर्णाहुति व मंदिर में पूजा करने के बाद गजसिंह की तिलक आरती हुई व उसके बाद श्रीथापनाजी का उथापना हुआ।

हवन की पूर्णाहुति व मंदिर में पूजा का कार्य अश्वनी दवे, ललित त्रिवेदी, अश्विनी त्रिवेदी, सुरेश व्यास, भगवान सिंह राजपुरोहित व जितेंद्रराज जोशी ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ करवाई। इस अवसर पर चैत्र नवरात्र में पाठ करने वाले नौ वेदपाठी ब्राह्मण भी उपस्थित थे। मेहरानगढ़ दुर्ग के चामुंडा माता मंदिर में चैत्र नवरात्र के दौरान मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासक कर्नल अजय सिंह शेखावत, महाराजा उम्मेद सिंह रिलिजियस ट्रस्ट के सचिव कल्याण सिंह राठौड़, पुष्पेंद्र सिंह भाटी, मुख्य वित्त प्रबंधक अरुण अग्रवाल, मुख्य अभियंता शैलेंद्र माथुर, प्रबंधक (संस्कृति) गर्मांशु बोहरा, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ग्रुप हेड किशन वीर सिंह राठौड़, मैनेजर एचआर ओमप्रकाश गेपाला, प्रबंधक (मीडिया एण्ड पीआर) कल्पना चंपावत, सुनील कल्ला अभियंता, हिम्मत सिंह शेखावत सहायक प्रबंधक लेखा, डीएसओ शार्दुल सिंह शेखावत, एएसओ लक्ष्मण सिंह राठौड़, एएसओ प्रभु सिंह शेखावत उपस्थित थे।

मेहरानगढ़ के चामुंडा माता मंदिर में नवरात्र के दौरान हजारों दर्शनार्थियों ने दर्शन किए। मेहरानगढ़ दुर्ग प्रबंधन व जिला पुलिस प्रशासन के सहयोग से दर्शनों की व्यवस्था अच्छी बनी रही। सभी तरह की व्यवस्थाएं प्रबंधन द्वारा की गई इसके कारण माताजी के दर्शन आराम से किए जा सके।

मां चामुंडा की गज सिंह ने आरती कर मारवाड़ वासियों की खुशहाली की प्रार्थना की।

गुर्जर समाज के लोगों ने सामाजिक कुरीतियों को रोकने का संकल्प लिया

- जगदीश धाम कैमरी में भरतपुर संभाग स्तरीय गुर्जर समाज की महापंचायत आयोजित

हिण्डौन सिटी, (निसं)। जगदीश धाम कैमरी में पूर्व जिला प्रमुख अजीतसिंह महवा की अध्यक्षता में भरतपुर संभाग के गुर्जर समाज की महापंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें भरतपुर संभाग के करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर, जयपुर सहित प्रदेश के हज़ारों लोगों ने गुर्जर समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने के लिए अनेक निर्णय लिए और उनकी पालना करने का संकल्प लिया गया। साथ ही पालना नहीं करने पर सामाजिक कार्यवाही करने की बात कही और प्रत्येक छमाही में समाज सुधार के लिए समीक्षा की बात कही। सर्वप्रथम सभी ने भगवान जगदीश के दर्शन कर गुर्जर समाज के उत्थान की कामना और समाज की खुशहाली की कामना की।

समस्त भरतपुर संभाग के पंच पटेलों ने सार्वजनिक रूप से निर्णय लिया कि मृत्युभोज पर पूर्णत: प्रतिबंध करने, ब्रह्मभोज के दिन केवल एक साफा बंधवाने, बच्ची की शादी में एक बार भोजन और नाश्ता करने, भात कार्यक्रम को दिन में करने, बच्चे की शादी में सीतारानी व मोहर नहीं ले जाने, दुल्हन के लिए केवल पांच बेस लेकर जाने, बच्ची जामने पर पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा, साथ ही शादी कार्ड प्रिंट नहीं करवाकर व्हाट्सअप करने, जन्मदिन, भाईदूज और ग्वाल जिमाने पर प्रतिबंध, बारात 300 से अधिक लेके नही जाने, बारात में बस करने और अधिकतम 11 बोलेरो करने, भातई और बड़ भातई द्वारा केवल तीन बेस की पहरावणी करने, मुख्य भातई के साथ आये अन्य को केवल राशि देने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही सामाजिक कुरीतियों में शामिल विभिन्न प्रोग्रामों में महिलाओं को बर्तन देने पर प्रतिबंध रहेगा, सगाई समारोह करने के बाद छोड़ने, और समधी समधन बुलाने पर पाबंदी रहेगी। इसी प्रकार बड़े डीजे बजने पर पाबंदी रहेगी, जबकि छोटे दो साउंड शादी में तीन दिन तक बजाए जा सकते हैं। वहीं रिटायरमेंट प्रोग्राम में केवल जगदीश मंदिर कमेटी द्वारा साफा पहनाया जाएगा बाकी सभी लोग केवल माला द्वारा स्वागत किया जाएगा। विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन और बिक्री पर पाबंदी रहेगी, मृत्यु के दिन ससुराल वालों के अलावा किसी को भी सूचना नहीं दी जाएगी, ब्रह्मभोज के दिन केवल एक साफा पहनाया जाएगा। इसी प्रकार व्याप्त कुरीतियों में गंगाजी जाने में केवल 5 आदमियों के जाने की अनुमति रहेगी। बच्चियों की शादी में लेने जाने वाले केवल 25 आदमी एवं दिन में जाने की अनुमति रहेगी।

पंचायत में लिए गए निर्णय को मानने का सभी ने संकल्प लिया और नहीं मानने पर सामाजिक कार्यवाही कर समाज से बहिष्कृत व आर्थिक दंड किया जाएगा। समाज सुधार मीटिंग में भरतपुर संभाग के हज़ारों गांवों सहित 12 गांव खटाना परिवार सहित 12 गांव बैसला, 12 गांव विडरवास, 13 गांव चाँदन गांव श्रीमहावीरजी, 5 गांव फागना, 8 गांव मावई, 6 गांव सागर परिक्षेत्र, 12 गांव मुंडिया, 6 गांव तिघरिया, 8 गांव नंदी की ढाय, 16 गांव सोलंगा बौल, 12 गांव मोरोली, 12 गांव महरावर, 12 गांव राडोदा, 36 गांव आंतरी क्षेत्र, सनसनी गांव परिक्षेत्र, 60 गांव मेढेंन के समस्त पंच पटेल मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला प्रमुख अजीतसिंह महवा, मंच संचालन सियाराम उपप्रधान, अतरसिंह छावड़ी अध्यापक अतरसिंह छावड़ी मंजीपुरा, संयोजक मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष घनश्याम खटाना, जगदीश मंदिर ट्रस्ट व पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना, मुरारी खटाना, दयाराम ठेकेदार, हंसराज सरपंच, खेमसिंह श्रीमहावीरजी, कप्तान सरपंच रेन्डायल, सुमरन पिलवाड कंजौली, भानुप्रताप बटरु गुर्जर ने गुर्जर समाज के विकास और उत्थान के लिए अपने विचार पेश किये। साथ ही जगदीश मंदिर कमेटी सचिव रामविलास खटाना, कैप्टेन रतनसिंह, जीकेप ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञान सिंह, राजबहादुर बड़ागांव, पूर्व सरपंच सुग्रीव सिंह खटाना, शिवचरण सिंह, शेरसिंह खटाना, कोषाध्यक्ष कैप्टेन शीशराम खटाना, अतर पटवारी, सदस्य भूरसिंह धमाड़ी, भूपेन्द्र खटाना अधैत, रामदयाल ठेकेदार खेड़ली, सूबेदार प्यार सिंह, हवलदार भरोसी बाढ़, प्रवक्ता हंसराज गुर्जर सहित हज़ारों लोग मौजूद रहे।

जगदीश धाम कैमरी में भरतपुर संभाग के गुर्जर समाज की महापंचायत को वक्ताओं ने संबोधित किया।